CRITEL®
METAMIFOP 10% EC
HERBICIDE
(FOR INDIGENOUS MANUFACTURE)

METAMIFOP 10% EC is a selective post-emergent grass herbicide with excellent activity on grasses in direct seeded rice.

Chemical composition :

Metamifop a.i.	:	10.00% w/w
Emulsifier (Blend of Calcium alkyl benzene sulphonate and alkoxy alkyl Ether)	:	06.00% w/w
Emulsifier (Blend of Calcium alkyl phenyl sulphonate and alkoxy alkyl Aryl ether)	:	04.00% w/w
Naphtha L	:	Q.S.
Total	:	100.00% w/w.

Recommendation for use: Metamifop 10% EC Should be used as foliar spray for the control of following weeds in direct seeded rice.

Crop	Weeds Controlled	Dosage/Ha			Waiting (Period in days)
		a.i. (g)	Formulation (g)	Dilution in water (L)	Interval between last spray & Harvest)
Direct Seeded Rice	Barnyard grass (Echinocloa spp), Dactylectenium, Digitaria,	100	1000	350	87

Direction for use: Measure the required quantity of the product and mix well with a small quantity of water. Add the remaining quantity of water as specified with thorough agitation. For high volume application, use knapsack sprayer with fan or flood jet nozzle.

Application : The herbicide should only be applied as a foliar spray. For best results apply METAMIFOP 10 EC when the grasses are in 2 to 3 leaf stage generally coinciding with 10 to 15 days after sowing. For best results ensure a uniform application of the spray solution over the area to be treated.

Compatibility : METAMIFOP 10% EC is compatible with commonly used herbicides in rice crop. Do not mix with 2,4 -D as it may cause phytotoxicity to Rice.

Precautions : 1. Use only knapsack sprayer for application. 2. Do not broadcast or do not apply as a sand mix application. 3. Do not use cooking utensils for preparing spray. 4. Use stick for stirring the spray solution. 5. Wear hand gloves to avoid contact with the skin. 6. Also avoid inhalation and contact with eyes. 7. Wear protective clothing, mask, goggles and boots while spraying and do not expose yourself to spray drift. 8. Do not blow nozzles with mouth. 9. Do not eat, Drink or smoke while handling or applying the product. 10. Do not store unused solution. Clean strainer, buckets and other utensils with water daily after use. 11. Wash hands with soap and plenty of water and change clothes after the work is over. 12. Also wash the contaminated clothes. 13. Do not contaminate streams, ponds, waterways etc by discharging left over spray materials into them or by cleaning sprayers, contaminated buckets etc. In them. 14. In case of any sign of poisoning, immediately consult the doctor.

Spray Equipment & Tank Clean Up : Thoroughly clean all mixing and spray equipment immediately following application by rinsing outside, inside of the tanks with clean water. Drain tank completely. Agitate for 15 minutes after adding water to fill tank completely and drain the tank. Again rinse with clean water and drain. Collect washing. Tank washing should be disposed off in a safe manner to prevent environment/water contamination.

Symptoms of Poisoning : Repeated eye or skin contact may cause moderate eye and skin irritation and allergic reactions in some individual.

Antidote : No specific antidote is known. Treat symptomatically.

FIRST AID MEASURES: If ingested: If person is conscious and alert, rinse mouth with water and give 1 or 2 glass of water to drink. Never give anything by mouth to an unconscious person. Call the doctor. Do not induce vomiting until and unless desired by attending physician. **If inhaled:** Take the patient to fresh air and take care of body temperature. If patient is not breathing or breathing difficulty, give artificial respiration, preferable with mouth to mouth breathing. Consult a physician. **In case of Skin Contact:** Wash thoroughly the affected part of body with soap and plenty of water including hairs and under fingernails. If pain, redness or irritation persists, consult a doctor. All the contaminated clothes should be segregated and thoroughly washed with soap and water separately before use. **In case of Eye Contact:** Rinse gently with plenty of water at least for 15 minutes. If pain, irritation, redness or photophobia persists. Consult eye specialist.

Storage : 1) The packages containing the herbicide shall be stored in original containers in separate rooms or premises, away from the room or premises used for storing other article or shall be kept in separate almirahs under lock and key depending upon the quantity and nature of herbicide. 2) The room and premises meant for storing the herbicide shall be well built, cool, dry place, well-lit and ventilated and of sufficient dimension.

Disposal of Empty containers: 1) The packages shall be broken and buried away from habitation. 2) The used packages shall not be left outside to prevent their re-use. 3) Packages by surplus material and wrapping shall be disposed off in a safe manner so as to prevent environmental and water pollution.

CAUTION : This product is toxic to fish therefore not to discharge this product to Water bodies." Not to be used on crops other than specified on this label/leaflet.

Manufactured and Marketed by : **FMC India Private Limited,** Embassy Star No. 8, Palace Road, High Grounds, Bangalore - 560052. **Factory:** 146, Kilavalam Village, Madurantakam Taluk, Kanchipuram District-603 303, Tamil Nadu.

क्राईटेल®
मेटामीफोप १०% ई.सी.
खरपतवारनाशक
(स्वदेशी उत्पादन के लिए)

मेटामीफोप १०% ई.सी. एक पूर्णिक, खरपतवारनाशक जाने के बाद प्रयोग किया जाने वाला खरपतवारनाशक है जो सीधी बुवाई धान की फसल में घास का नियंत्रण करता है।

रासायनिक संरचना :

मेटामीफोप स.त.	:	१०.००% भा/भा
इमल्सिफायर (कॅल्शियम अल्किल बेन्झीन सल्फोनेट और अल्कक्सीही अल्कील ईथर)	:	०६.००% भा/भा
इमल्सिफायर (कॅल्शियम अल्किल फेनील सल्फोनेट और अल्कक्सीही अल्कील अरील ईथर)	:	०४.००% भा/भा
नॅफ्था एल	:	Q.S.
अल्पीस टाकाव्हीस)	:	०४.००% भा/भा
नेट्टो वाट	:	पाचविसाव
कुल	:	१००.००% भा/भा

उपयोग के लिए सिफारिश : मेटामीफोप १०% ई.सी. का फोलियर रूप सीधी बुवाई धान की फसल में निम्न खरपतवारों के नियंत्रण के लिए करना चाहिए।

फसल	नियंत्रित खरपतवार	मात्रा / हे.			अंतिम छिड़काव तथा कटाई के बीच में अंतर (दिनों में)
		स.त. (ग्रा.)	संरचना (ग्रा.)	पानी में घोल (लीटर)	
सीधी बुवाई धान	कॉकाई घास (एकिनोक्लोआ स्पीशीज), डेक्टिलोक्टेनियम, डिजिटारिया,	१००	१०००	३५०	८७

उपयोग के लिए विधि: आवश्यक मात्रा मापने के बाद पानी की थोड़ी मात्रा के साथ अच्छा मिश्रण बनाए/ सोलुशन गैलोन स्प्रेयर में १५ लिटर पानी के साथ मिलाए और अच्छी तरह हिलाए। पानी की पूरी तरह से वर्कोर के लिए छिड़काव करिए / फैन नोजल लगाकर करें।

प्रयोग : खरपतवारनाशक का उपयोग पत्तियों पर छिड़काव के लिए किया जाना चाहिए। अच्छे परिणामों के लिए मेटामीफोप १०% ई.सी. का उपयोग बुवाई के १०-१५ दिन बाद की जब घास २-३ पत्ती की अवस्था में होती है। समग्र परिणामों के लिए यह सुनिश्चित करें कि उपचार वाले क्षेत्र पर समान रूप से एक सोलुशन का छिड़काव हो।

संगता : मेटामीफोप १०% ई.सी. धान की फसल में अपनाए गए इस्तेमाल किए जानेवाले खरपतवारनाशक के साथ संगत है। इसका इस्तेमाल 2,४-डी के साथ न करें।

उपयोग के लिए सावधानियाँ : 1. इसका छिड़काव गैलोन स्प्रेयर से ही करें। 2. इसका बुवाकर ने करें और रेत के साथ मिलाकर न करें। 3. खरे सोलुशन बनाने के लिए खाना बनाने के बर्तनों का उपयोग न करें। ४. घोल तैयार करने के लिए छड़ी का इस्तेमाल करें। ५. त्वचा को संपर्क से बचाने के लिए हाथों में दस्ताने पहनें। ६. इसे सूंघने से भी त्वचा और आँखों से बचाएं। ७. छिड़काव के समय सुरक्षात्मक कपड़े जैसे मास्क, चश्मा और जूते पहनें तथा बाद में इस्तेमाल न करें। ८. नोजल में मुंह से फूंक न मारें। ९. उत्पादनाकी हाताळणी किंवा फवारणी करताना कुछ खिड़, चखणू किंवा धूम्रपान करू नयें। १०. शल्लेल्या द्रावणाची साठवण करू नका. फवारणी यंत्रे, बादलियां और अन्य बर्तनों को उपयोग के बाद पानी से धोएं। ११ हाथों को साबुन और बहुत पानी से धोएं और कपड़े बदलें। १२. दूषित कपड़ों को भी धोएं। १३. शेष्ठ फवारणी घोल नदियों, तालाबों आदि में फेंकने या फवारणी करने वाले उपकरणों को साफ करने से प्रदूषण न फैलाएं। १४. किसी भी प्रकार की विषाक्तता के लक्षण होने पर तुरंत डॉक्टर से परामर्श करें।

छिड़काव यंत्र व टैंक की सफाई : छिड़काव के उपरान्त, सभी छिड़काव यंत्रों व घोलने के टैंक को अंदर व बाहर से साफ पानी से तुरंत साफ करें एवं घोलन की पूरी तरह से निकाल दें। टैंक को पूरी तरह से भरने के लिए पानी मिलाने के बाद 15 मिनट तक हलाएं और खाली करें। फिर साफ पानी से धोएं। धोने की घोलन को एकत्र करें। सावधानी से छिड़काव यंत्र व घोलने के टैंक आदि के घोलन का निपटान करें। जिससे पर्यावरण व जल का प्रदूषण न हो।

विष के लक्षण : दोहराव आंख या त्वचा से संपर्क से कुछ व्यक्तियों में उग्रतापूर्ण आंख और त्वचा की जलन और एलर्जी पैदा कर सकता है।

निष्प्रभावी : कुछ कुछ ज्ञात नहीं। लक्षणों के अनुसार चिकित्सा करें।

चिकित्सा : कोई विशिष्ट निष्प्रभावी उपलब्ध नहीं है। लक्षणानुसार इलाज करें।

प्राथमिक उपचार : यदि कोई चला गया है तो : यदि व्यक्ति होश में और सतर्क है, तो आंखे में पानी से कुल्ला करवाएं और 1 या दो ग्लास पानी पिलाएं। यदि व्यक्ति बेहोश है तो उसे पानी को मुंह में कुछ न दें। डॉक्टर को बुलाएं। जब्तपरती उल्टी न करवाएं जब तक डॉक्टर मौजूद न हों। **सांसद्वारा :** व्यक्ति को ताजी हवा में ले जाएं और शरीर के तापमान का ध्यान रखें। यदि रोगी को श्वास लेने में कठिनाई हो तो, मुंह से मुंह श्वास दें। एक चिकित्सक से परामर्श करें। **त्वचा से संपर्क :** त्वचा को शरीर के दूषित अंगों तथा बाल और नाखूनों को अच्छी तरह से साबुन और पानी से धोएं। यदि शरीर में दर्द, जलन या लाली हो तो डॉक्टर को बुलाएं। दूषित कपड़ों को अलग करके अच्छी तरह से साबुन और पानी से धोएं। **आंखों के संपर्क:** आँखों को १५ मिनट तक साफ पानी से धोएं। यदि आँखों में दर्द, जलन, आँखे लाल हो जाए या आंखे चौंधियाँने लगे तो आँखों के डॉक्टर की सलाह लें।

संग्रह : 1. खरपतवारनाशक के डिब्बों को अलग कमरों में पंक्तियों तथा अन्य सामग्री से स्वतंत्रता से रखना चाहिये, तथा कमरे में पूर्ण रूप से बंद करके रखना चाहिए। 2. खरपतवारनाशक के कमरा तथा परिसर के हिसाब से अलग तरीके अलमारी में रखी। 2. उत्पादन तथा कमरा हवादार, सूखे व अच्छी रोशनी वाले होने चाहिए। 3. खरपतवारनाशक के डिब्बों को अलग अलग करके रखना चाहिए।

खाली डिब्बों का निपटान : 1. खरपतवारनाशक निर्माताओं या उनकी वर्क्स का कर्मचार ही कि पैकिंग, नष्टीन की सुरक्षा बनी हुई रहनी आदि की निकासी की व्यवस्था ऐसी सुरक्षा से करना चाहिये, ताकि इनसे पानी, वातावरण व पशु दूषित न हो। 2. खाली डिब्बों और पैकिंग को तोड़कर जमाकी दी जाए जिससे वे दोबारा प्रयोग में न आ सकें। 3. अतिरिक्त सामग्री और पैकिंग को सुरक्षित तरीके से नष्ट करना चाहिए ताकि पर्यावरण और जल प्रदूषण न फैले।

सावधान : यह उत्पाद मछलीओं के लिए जहरीला है। इसलिए इस उत्पाद का निर्माण जलाशय में न करें। इस लेबल/पत्रिका में निर्दिष्ट फसलों के अलावा अन्य फसलों पर इस्तेमाल न करें।

उत्पादनकर्ता एवं विक्रेता: **एफएमसी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड,** एम्बेसी स्टार 2, पैलेस रोड, हाई ग्राउंड्स, बेंगलूरु – ५६००५२ । **फैक्टरी:** १४६, गांव किलावलम, तालुका मदुरांतकम, जिला–६०३३०३, कांचीपुरम, तमिलनाडु।

क्राइटेल
मेटामीफोप १०% ईसी
खरपतवारनाशक
(स्वदेशी उत्पादन के लिए)

मेटामीफोप १०% ईसी एक पूर्णिक, खरपतवारनाशक जाने के बाद प्रयोग किया जाने वाला खरपतवारनाशक है जो सीधी बुवाई धान की फसल में घास का नियंत्रण करता है।

रासायनिक संरचना :

मेटामीफोप स.त.	:	१०.००% भा/भा
इमल्सिफायर (कॅल्शियम अल्किल बेन्झीन सल्फोनेट और अल्कक्सीही अल्कील ईथर)	:	०६.००% भा/भा
इमल्सिफायर (कॅल्शियम अल्किल फेनील सल्फोनेट और अल्कक्सीही अल्कील अरील ईथर)	:	०४.००% भा/भा
नॅफ्था एल	:	पूरी तरह
एकूण	:	१००.००% भा/भा

वापरासाठी शिफारस : मेटामीफोप १०% ईसी ही सीधि पेरणी धान पिकेतील भारताच्या पिकात खालील तणांच्या नियंत्रणासाठी वैरली पाहिजे.

पिक	नियंत्रित तण	प्रमाण / हेक्टर			तण उगवण्याच्या कालावधी किंवा कापणी दरम्यानचे अंतर
		स.त. (ग्रॅ.)	फॉर्मुलेशन (ग्रॅ.)	फॉरमल्ड करून पाण्याची (लि.)	
सरळ पेरलेले भात	कॉकाई घास (एकिनोक्लोआ स्पीशीज), डेक्टिलोक्टेनियम, डिजिटारिया,	१००	१०००	३५०	८७

वापरासंबंधी सूचना: आवश्यक प्रमाण मोजून त्यानंतर लहान पाण्याचा प्रमाणात घालून ढवळून घ्यावे. नंतर उरलेल्या पाण्याचा प्रमाण मिसळावा. मोठ्या प्रमाणावरील फवारणीसाठी फवारे किंवा किंवा फ्लड जेट नोजी असलेले नॅपसॅक स्प्रेअर वापर.

उपयोग : तणनाशक फक्त पर्णिय फवारणी म्हणून केला गेला पाहिजे. भरपाया परिणामसाठी मेटामीफोप १०% ईसी हा साधर पेरणीच्या १०-१५ दिवसांनी कमाल जेव्हा गवत २-३ पानांचा असतात असते. सर्वोत्तम परिणामसाठी हे सुनिश्चित करा की उपचारलाला क्षेत्रावर एकसमान स्प्रेचे फवारणी द्रावणाची फवारणी होईल.

सुसंगतता: मेटामीफोप १०% ईसी भातपाच पिकात सहसरपत वापरण्या जाणाऱ्या तणनाशकाच्या सोबत सुसंगत आहे.हाच्या वापर 2,४-डी ह्या तणनाशकाबरोबर करू नयेत.

खबरदारी : १. फवारणी साठी फक्त नॅपसॅक स्प्रेअरचाच वापर करा. २. हाताची सुरुवाती करून नयेत ३. हाते ने मिसळून अंतिमीकरणाचा प्रकारात वापर नको. ३ फवारणीचे द्रावण तयार करण्यासाठी स्वयंपाकाची भांडी वापरू नयेत. ४. फवारणीचे द्रावण ढवळण्यासाठी काठीचा वापर करावा. ५. त्वचेशी संपर्क टाळण्यासाठी हातमोज्यांचा वापर करावा. ६. त्वचेच बाधाटाई इतरांचे आणि डोळ्यांशी संपर्क टाळावा. ७. फवारणी करताना मुखवटा, गॉगल्स, बूट, आणि संरक्षक वेशभूषा करावा आणि फवारणीचे तुषार अंगावर घेऊन नयेत. ८. नॉझल्स तोंडाने फुंकू नयेत. ९. उत्पादनाशी हाताळणी किंवा फवारणी करताना कुछ खिड़, चखणू किंवा धूम्रपान करू नयें. १०. शल्लेल्या द्रावणाची साठवण करू नका. फवारणी यंत्रे, बादलियां और अन्य बर्तनों को उपयोग के बाद पानी से धोएं। ११. हाथों को साबुन और बहुत पानी से धोएं और कपड़े बदलें। १२. दूषित कपड़ों को भी धोएं। १३. शेष्ठ फवारणी घोल नदियों, तालाबों आदि में फेंकने या फवारणी करने वाले उपकरणों को साफ करने से प्रदूषण न फैलाएं। १४. किसी भी प्रकार की विषाक्तता के लक्षण होने पर तुरंत डॉक्टर से परामर्श करें।

फवारणी उपकरण व टाँकी सफाई: फवारणी नंतर सर्व यंत्रणांची उंच आणि फवारणी द्रावण बनविण्यास टाकिला अगदी व बाहेरून पाण्याने त्वरित साफ करावे व शुल्याचे पाणी काढून टाकावे. उर्वरित पूर्ण भरा पुन्हा १५ मिनिट साफ करा. नंतर स्वच्छ पाण्याने धुवा. सर्व शुल्याचे पाणी एकत्र करा. काळजीपूर्वक उपकरण धुतलेल्या पाण्याची निर्गमित तसेच जैव कचरा व्यवस्थित व जलप्रदूषण होणार नाही.

विषबाधेची लक्षणे : पुनः पुनः डोळे व त्वचेच्या संपर्कने सही व्यक्तिमध्ये त्रासदायक डोळ्यांचे आणि त्वचेचे त्रासदायक आजार आणि ॲलर्जी उत्पन्न होतू शकते.

औषधोपचार: लक्षणांशी साम्य उपचार द्यावा नाही. लक्षणानुसार उपचार करा.

प्रथमोपचार: जर गिळले गेलाच: व्यक्ती शुद्धीवर असेल तर, पाण्याने तोंड स्वच्छ धुवा आणि १ या २ ग्लास पाणी पिण्यास द्या. व्यक्ती जर बेशुद्ध असेल तर तोंडद्वारे काहीही देऊ नये. त्वरित डॉक्टरला बोला. जोपर्यंत उपस्थित चिकित्सक इतरे उलटी करण्यास सांगितले जात नाही तो पर्यंत उलटी करू नये. **जर श्वासद्वारे आत गेलाच:** रुग्णास मोकळ्या हवेत आणा आणि शरीर तापमानाकडे लक्ष द्या. जर रुग्ण श्वास घेत नसेल या श्वास घेण्यास त्रास होत असेल तर कृत्रिम श्वसन दा, शक्यतो तोंडाने तोंडास श्वास दा. चिकित्सकाचा सल्ला घ्या. **जर डोळ्यांशी संपर्क झालाच:** डोळे स्वच्छ पाण्याने जवळ-जवळ १५ मिनिटे स्वच्छ धुवा. जर वेदना, जळजळ सुरुन होत असेल तर नेत्र चिकित्सकाचा सल्ला घ्या. **जर त्वचेशी संपर्क झालाच :** शरीराशी संबंधी झालेल्या भाग साबणाने व स्वच्छ पाण्याने धुवा, यामध्ये केस व नखाशी जुडलेल्या गोष्टांची, जर वेदना, त्रासदायक या जळजळ कायम राहिलाच तर डॉक्टरचा सल्ला घ्या. सर्व दूषित कपड़ों को अलग करके अच्छी तरह से साबुन और पानी से धोएं। **साठवण :** 1. तणनाशकांची चिकित्सा वेगळ्या खोलीत या जतेत इतर समग्र साठवणीच्या जागेपासून दूर तणनाशकांचे जपान आणि जतनानुसार योग्यता कपाटात कडीकुलपात ठेवावे. 2. तणनाशक साठवण करण्याची खोली या जागा पाऊस प्रतिरोधी, थंडी, स्वच्छ व्यवस्थेची व हवेचीत आणि पुरेशी लंबाकार आसावी जेने करून पर्याप्तरीत्या पानेने होणारे प्रकाश उपलब्ध होतील. **विरुद्ध क्रमाची चिकित्सा:** १) रिकामे ठेवे मेहतान-लोहून नष्ट्या जलीयस्थ दूर जमिनेवर. २) रिकामे डबाचा पुनःवापर होऊ नयेत म्हणून रिकाम ठेवू नयेत. ३) रिकिटाच व उरलेले द्रावण तसेच तसनाचांच्या पाण्याची आणा पद्धतीने निकेशर लावावी जेनेकरून पर्यावरण व पाणी दूषित होणार नाही.

सावधानी: हाच उत्पादन मासेंसाठी विषारी आहे, म्हणूनच झालुले या उत्पादनाला पाणी मिसळित करू नये. झाडांच्या / पत्रिकेच्या निर्दिष्ट पीक व्यतिरिक्त इतर पीकावर वापरू नये.

उत्पादक आणि विक्रेता: एफएमसी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, एम्बेसी स्टार 2, पैलेस रोड, हाई ग्राउंड्स, बेंगलूरु – ५६००५२ । **फैक्टरी:** १४६, गांव किलावलम, तालुका मदुरांतकम, जिला–६०३३०३, कांचीपुरम, तमिलनाडु।

काइटेल®
मेटामीफोप १०% ईसी
तणनाशक
(स्वदेशी उत्पादनासाठी)

मेटामीफोप १०% ईसी एक पूर्णिक, तणनाशक जाने के बाद प्रयोग किया जाने वाला तणनाशक है जो सीधी बुवाई धान की फसल में घास का नियंत्रण करता है।

रासायनिक संरचना :

मेटामीफोप स.त.	:	१०.००% भा/भा
इमल्सिफायर (कॅल्शियम अल्किल बेन्झीन सल्फोनेट और अल्कक्सीही अल्कील ईथर)	:	०६.००% भा/भा
इमल्सिफायर (कॅल्शियम अल्किल फेनील सल्फोनेट और अल्कक्सीही अल्कील अरील ईथर)	:	०४.००% भा/भा
नॅफ्था एल	:	पूरी तरह
एकूण	:	१००.००% भा/भा

वापरासाठी शिफारस : मेटामीफोप १०% ईसी ही सीधि पेरणी धान पिकेतील भारताच्या पिकात खालील तणांच्या नियंत्रणासाठी वैरली पाहिजे.

पिक	नियंत्रित तण	प्रमाण / हेक्टर			तण उगवण्याच्या कालावधी किंवा कापणी दरम्यानचे अंतर
		स.त. (ग्रॅ.)	फॉर्मुलेशन (ग्रॅ.)	फॉरमल्ड करून पाण्याची (लि.)	
सरळ पेरलेले भात	कॉकाई घास (एकिनोक्लोआ स्पीशीज), डेक्टिलोक्टेनियम, डिजिटारिया,	१००	१०००	३५०	८७

वापरासाठी सूचना: आवश्यक प्रमाण मोजून त्यानंतर लहान पाण्याचा प्रमाणात घालून ढवळून घ्यावे. नंतर उरलेल्या पाण्याचा प्रमाण मिसळावा. मोठ्या प्रमाणावरील फवारणीसाठी फवारे किंवा किंवा फ्लड जेट नोजी असलेले नॅपसॅक स्प्रेअर वापर.

उपयोग : तणनाशक फक्त पर्णिय फवारणी म्हणून केला गेला पाहिजे. भरपाया परिणामसाठी मेटामीफोप १०% ईसी हा साधर पेरणीच्या १०-१५ दिवसांनी कमाल जेव्हा गवत २-३ पानांचा असतात असते. सर्वोत्तम परिणामसाठी हे सुनिश्चित करा की उपचारलाला क्षेत्रावर एकसमान स्प्रेचे फवारणी द्रावणाची फवारणी होईल.

सुसंगतता: मेटामीफोप १०% ईसी भातपाच पिकात सहसरपत वापरण्या जाणाऱ्या तणनाशकाच्या सोबत सुसंगत आहे.हाच्या वापर 2,४-डी ह्या तणनाशकाबरोबर करू नयेत.

काळजीचीच्या : १. फवारणी साठी फक्त नॅपसॅक स्प्रेअरचाच वापर करा. २. हाताची सुरुवाती करून नयेत ३. हाते ने मिसळून अंतिमीकरणाचा प्रकारात वापर नको. ३ फवारणीचे द्रावण तयार करण्यासाठी स्वयंपाकाची भांडी वापर नयेत. ४. फवारणीचे द्रावण ढवळण्यासाठी काठीचा वापर करावा. ५. त्वचेशी संपर्क टाळण्यासाठी हातमोज्यांचा वापर करावा. ६. त्वचेच बाधाटाई इतरांचे आणि डोळ्यांशी संपर्क टाळावा. ७. फवारणी करताना मुखवटा, गॉगल्स, बूट, आणि संरक्षक वेशभूषा करावा आणि फवारणीचे तुषार अंगावर घेऊन नयेत. ८. नॉझल्स तोंडाने फुंकू नयेत. ९. उत्पादनाशी हाताळणी किंवा फवारणी करताना कुछ खिड़, चखणू किंवा धूम्रपान करू नयें. १०. शल्लेल्या द्रावणाची साठवण करू नका. फवारणी यंत्रे, बादलियां और अन्य बर्तनों को उपयोग के बाद पानी से धोएं। ११. हाथों को साबुन और बहुत पानी से धोएं और कपड़े बदलें। १२. दूषित कपड़ों को भी धोएं। १३. शेष्ठ फवारणी घोल नदियों, तालाबों आदि में फेंकने या फवारणी करने वाले उपकरणों को साफ करने से प्रदूषण न फैलाएं। १४. किसी भी प्रकार की विषाक्तता के लक्षण होने पर तुरंत डॉक्टर से परामर्श करें।

फवारणी उपकरण व टाँकी सफाई: फवारणी नंतर सर्व यंत्रणांची उंच आणि फवारणी द्रावण बनविण्यास टाकिला अगदी व बाहेरून पाण्याने त्वरित साफ करावे व शुल्याचे पाणी काढून टाकावे. उर्वरित पूर्ण भरा पुन्हा १५ मिनिट साफ करा. नंतर स्वच्छ पाण्याने धुवा. सर्व शुल्याचे पाणी एकत्र करा. काळजीपूर्वक उपकरण धुतलेल्या पाण्याची निर्गमित तसेच जैव कचरा व्यवस्थित व जलप्रदूषण होणार नाही.

विषबाधेची लक्षणे : डोळ्यांशी संपर्क झालाच तर त्रासदायक डोळ्यांचे आणि त्वचेचे त्रासदायक आजार आणि ॲलर्जी उत्पन्न होतू शकते.

औषधोपचार: लक्षणांशी साम्य उपचार द्यावा नाही. लक्षणानुसार उपचार करा.

प्रथमोपचार: जर गिळले गेलाच: व्यक्ती शुद्धीवर असेल तर, पाण्याने तोंड स्वच्छ धुवा आणि १ या २ ग्लास पाणी पिण्यास द्या. व्यक्ती जर बेशुद्ध असेल तर तोंडद्वारे काहीही देऊ नये. त्वरित डॉक्टरला बोला. जोपर्यंत उपस्थित चिकित्सक इतरे उलटी करण्यास सांगितले जात नाही तो पर्यंत उलटी करू नये. **जर श्वासद्वारे आत गेलाच:** रुग्णास मोकळ्या हवेत आणा आणि शरीर तापमानाकडे लक्ष द्या. जर रुग्ण श्वास घेत नसेल या श्वास घेण्यास त्रास होत असेल तर कृत्रिम श्वसन दा, शक्यतो तोंडाने तोंडास श्वास दा. चिकित्सकाचा सल्ला घ्या. **जर डोळ्यांशी संपर्क झालाच:** डोळे स्वच्छ पाण्याने जवळ-जवळ १५ मिनिटे स्वच्छ धुवा. जर वेदना, जळजळ सुरुन होत असेल तर नेत्र चिकित्सकाचा सल्ला घ्या. **जर त्वचेशी संपर्क झालाच :** शरीराशी संबंधी झालेल्या भाग साबणाने व स्वच्छ पाण्याने धुवा, यामध्ये केस व नखाशी जुडलेल्या गोष्टांची, जर वेदना, त्रासदायक या जळजळ कायम राहिलाच तर डॉक्टरचा सल्ला घ्या. सर्व दूषित कपड़ों को अलग करके अच्छी तरह से साबुन और पानी से धोएं। **साठवण :** 1. तणनाशकांची चिकित्सा वेगळ्या खोलीत या जतेत इतर समग्र साठवणीच्या जागेपासून दूर तणनाशकांचे जपान आणि जतनानुसार योग्यता कपाटात कडीकुलपात ठेवावे. 2. तणनाशक साठवण करण्याची खोली या जागा पाऊस प्रतिरोधी, थंडी, स्वच्छ व्यवस्थेची व हवेचीत आणि पुरेशी लंबाकार आसावी जेने करून पर्याप्तरीत्या पानेने होणारे प्रकाश उपलब्ध होतील. **विरुद्ध क्रमाची चिकित्सा:** १) रिकामे ठेवे मेहतान-लोहून नष्ट्या जलीयस्थ दूर जमिनेवर. २) रिकामे डबाचा पुनःवापर होऊ नयेत म्हणून रिकाम ठेवू नयेत. ३) रिकिटाच व उरलेले द्रावण तसेच तसनाचांच्या पाण्याची आणा पद्धतीने निकेशर लावावी जेनेकरून पर्यावरण व पाणी दूषित होणार नाही.

सावधानी: हाच उत्पादन मासेंसाठी विषारी आहे, म्हणूनच झालुले या उत्पादनाला पाणी मिसळित करू नये. झाडांच्या / पत्रिकेच्या निर्दिष्ट पीक व्यतिरिक्त इतर पीकावर वापरू नये.

उत्पादक आणि विक्रेता: एफएमसी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, एम्बेसी स्टार 2, पैलेस रोड, हाई ग्राउंड्स, बेंगलूरु – ५६००५२ । **फैक्टरी:** १४६, गांव किलावलम, तालुका मदुरांतकम, जिला–६०३३०३, कांचीपुरम, तमिलनाडु।

क्राइटेल®
मेटामीफोप १०% ईसी
तणनाशक
(हरदेशी उत्पादकांसाठी)

मेटामीफोप १०% ईसी एक पूर्णिक, तणनाशक जाने के बाद प्रयोग किया जाने वाला तणनाशक है जो सीधी बुवाई धान की फसल में घास का नियंत्रण करता है।

रासायनिक संरचना :

मेटामीफोप स.त.	:	१०.००% भा/भा
इमल्सिफायर (कॅल्शियम अल्किल बेन्झीन सल्फोनेट और अल्कक्सीही अल्कील ईथर)	:	०६.००% भा/भा
इमल्सिफायर (कॅल्शियम अल्किल फेनील सल्फोनेट और अल्कक्सीही अल्कील अरील ईथर)	:	०४.००% भा/भा
नॅफ्था एल	:	पूरी तरह
एकूण	:	१००.००% भा/भा

वापरासाठी शिफारस : मेटामीफोप १०% ईसी ही सीधि पेरणी धान पिकेतील भारताच्या पिकात खालील तणांच्या नियंत्रणासाठी वैरली पाहिजे.

पिक	नियंत्रित तण	प्रमाण / हेक्टर			तण उगवण्याच्या कालावधी किंवा कापणी दरम्यानचे अंतर
		स.त. (ग्रॅ.)	फॉर्मुलेशन (ग्रॅ.)	फॉरमल्ड करून पाण्याची (लि.)	
सरळ पेरलेले भात	कॉकाई घास (एकिनोक्लोआ स्पीशीज), डेक्टिलोक्टेनियम, डिजिटारिया,	१००	१०००	३५०	८७

वापरासाठी सूचना: आवश्यक प्रमाण मोजून त्यानंतर लहान पाण्याचा प्रमाणात घालून ढवळून घ्यावे. नंतर उरलेल्या पाण्याचा प्रमाण मिसळावा. मोठ्या प्रमाणावरील फवारणीसाठी फवारे किंवा किंवा फ्लड जेट नोजी असलेले नॅपसॅक स्प्रेअर वापर.

उपयोग : तणनाशक फक्त पर्णिय फवारणी म्हणून केला गेला पाहिजे. भरपाया परिणामसाठी मेटामीफोप १०% ईसी हा साधर पेरणीच्या १०-१५ दिवसांनी कमाल जेव्हा गवत २-३ पानांचा असतात असते. सर्वोत्तम परिणामसाठी हे सुनिश्चित करा की उपचारलाला क्षेत्रावर एकसमान स्प्रेचे फवारणी द्रावणाची फवारणी होईल.

सुसंगतता: मेटामीफोप १०% ईसी भातपाच पिकात सहसरपत वापरण्या जाणाऱ्या तणनाशकाच्या सोबत सुसंगत आहे.हाच्या वापर 2,४-डी ह्या तणनाशकाबरोबर करू नयेत.

काळजीचीच्या : १. फवारणी साठी फक्त नॅपसॅक स्प्रेअरचाच वापर करा. २. हाताची सुरुवाती करून नयेत ३. हाते ने मिसळून अंतिमीकरणाचा प्रकारात वापर नको. ३ फवारणीचे द्रावण तयार करण्यासाठी स्वयंपाकाची भांडी वापर नयेत. ४. फवारणीचे द्रावण ढवळण्यासाठी काठीचा वापर करावा. ५. त्वचेशी संपर्क टाळण्यासाठी हातमोज्यांचा वापर करावा. ६. त्वचेच बाधाटाई इतरांचे आणि डोळ्यांशी संपर्क टाळावा. ७. फवारणी करताना मुखवटा, गॉगल्स, बूट, आणि संरक्षक वेशभूषा करावा आणि फवारणीचे तुषार अंगावर घेऊन नयेत. ८. नॉझल्स तोंडाने फुंकू नयेत. ९. उत्पादनाशी हाताळणी किंवा फवारणी करताना कुछ खिड़, चखणू किंवा धूम्रपान करू नयें. १०. शल्लेल्या द्रावणाची साठवण करू नका. फवारणी यंत्रे, बादलियां और अन्य बर्तनों को उपयोग के बाद पानी से धोएं। ११. हाथों को साबुन और बहुत पानी से धोएं और कपड़े बदलें। १२. दूषित कपड़ों को भी धोएं। १३. शेष्ठ फवारणी घोल नदियों, तालाबों आदि में फेंकने या फवारणी करने वाले उपकरणों को साफ करने से प्रदूषण न फैलाएं। १४. किसी भी प्रकार की विषाक्तता के लक्षण होने पर तुरंत डॉक्टर से परामर्श करें।

फवारणी उपकरण व टाँकी सफाई: फवारणी नंतर सर्व यंत्रणांची उंच आणि फवारणी द्रावण बनविण्यास टाकिला अगदी व बाहेरून पाण्याने त्वरित साफ करावे व शुल्याचे पाणी काढून टाकावे. उर्वरित पूर्ण भरा पुन्हा १५ मिनिट साफ करा. नंतर स्वच्छ पाण्याने धुवा. सर्व शुल्याचे पाणी एकत्र करा. काळजीपूर्वक उपकरण धुतलेल्या पाण्याची निर्गमित तसेच जैव कचरा व्यवस्थित व जलप्रदूषण होणार नाही.

विषबाधेची लक्षणे : डोळ्यांशी संपर्क झालाच तर त्रासदायक डोळ्यांचे आणि त्वचेचे त्रासदायक आजार आणि ॲलर्जी उत्पन्न होतू शकते.

औषधोपचार: लक्षणांशी साम्य उपचार द्यावा नाही. लक्षणानुसार उपचार करा.

प्रथमोपचार: जर गिळले गेलाच: व्यक्ती शुद्धीवर असेल तर, पाण्याने तोंड स्वच्छ धुवा आणि १ या २ ग्लास पाणी पिण्यास द्या. व्यक्ती जर बेशुद्ध असेल तर तोंडद्वारे काहीही देऊ नये. त्वरित डॉक्टरला बोला. जोपर्यंत उपस्थित चिकित्सक इतरे उलटी करण्यास सांगितले जात नाही तो पर्यंत उलटी करू नये. **जर श्वासद्वारे आत गेलाच:** रुग्णास मोकळ्या हवेत आणा आणि